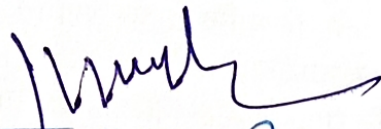


107.22 पत्रावली पेथ हुई। वकील प्रार्थी व अप्रार्थी उपर,
वकील अप्रार्थी ने जवाब प्रस्तुत किया। नवल
वकील प्रार्थी को दिलाई गई। वकील प्रार्थी के
बहस सुनी गई। बहस के दौरान वकील प्रार्थी ने
प्राप्य के वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए बयान
किया कि आदेश दिनांक 15-6-22 को रिमौल का
आपादन किया जाकर प्रार्थी को पुनर्वापसी का
अवसर दिया जावे। वकील अप्रार्थी ने कथन
किया कि प्रकरण के दिनांक 15-6-22 को आदेश
निर्णय प्राप्त किया जा चुका है। सरफेजी एक्ट
में रिक्शू या रिमौल करने का अधिकार होना
इस न्यायालय को नहीं है। अतः प्राप्य (वापस)



20.7.22
लगातार

फरमाना जावे। हंगे वरुण सारु साङ्गो पा
करुणक स मरुन किना। नमामरुत मे
प्राणी को लुना जाना उचिन ह। अता प्राणी
स प्राण रिमेल ~~करुण~~ लुका किना गता
ह। प्रकरण सं० 16/2022 पुनः नमवा पद
लिना जाकर वरु हनु डिनांक 10.8.22 को
पेश हो।


(एल० एस० कुडी)
जिला कलक्टर झुझुनूं